दैनिक जागरण दिनांकः— 23 जूलाई

महिलाओं को मुखर बनाने में जीविका का योगदान : डीडीसी

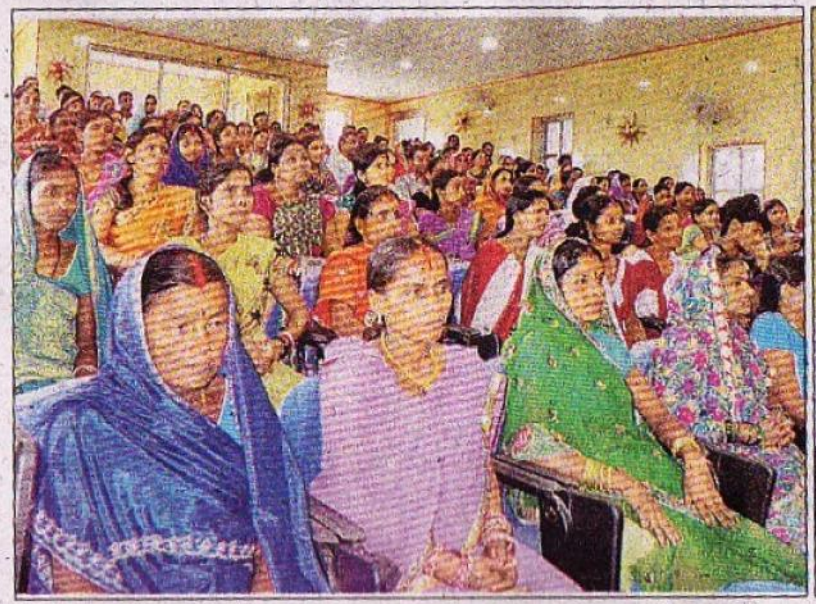

कार्यक्रम में उपस्थित महिलाएं, संस्था के कर्मी व दीप प्रज्वलित करते डीडीसी व अन्य। जागरण

सुपौल, जागरण संवाददाता : बिहार ग्रामीण जीविकोपार्जन परियोजना (जीविका) द्वारा गठित स्वयं सहायता समूहों के वित्तिय समावेशन पर एक कार्यक्रम का आयोजन बुधवार को बीएसएस कॉलेज के सभागार में किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन उप विकास आयुक्त हरिहर प्रसाद ने किया। उप विकास आयुक्त ने कहा कि बिहार सरकार की यह परियोजना गरीबी निवारण के उद्देश्य से बनाई गई है जो पूरे राज्य में एक मौन क्रांति का सूत्रपात कर चुकी है। आज गांव की महिलाएं हस्ताक्षर करना ही नहीं बल्कि वित्तिय लेनदेन के हिसाब किताब का लेखा जोखा भी आसानी से रख रही है। महिलाएं मुखर हुई है और उन्हें मुखर बनाने में जीविका अपनी भूमिका निभा रही है। भारतीय स्टेट बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक शैलेन्द्र कुमार यादव ने कहा कि जीविका परियोजना द्वारा गठित स्वयं सहायता समूहों का वापसी प्रतिशत 95 प्रतिशत से भी अधिक है। इस प्रतिशत के साथ जीविका समूहों ने जो अपनी शाख बनाई है, उसके आधार पर कोई भी बैंक इन्हें ऋण उपलब्ध करवाने में अग्रसर रहेगा। वहीं जीविका के जिला परियोजना प्रबंधक मनीष कुमार ने कहा कि यह परियोजना कोसी के तीनों जिलों के सभी प्रखंडों में अपनी गतिविधि प्रारंभ कर चुकी है। सुपौल में अब तक 5200 स्वयं सहायता समूह सहित 340 ग्राम संगठन एवं 7 संकुल स्तरीय संघों का गठन किया जा चुका है।

कार्यक्रम में जीविका स्वयं सहायता समूह की महिलाओं की उपस्थिति में विभिन्न बैंकों ने अलग-अलग समूहों को ऋण उपलब्ध करवाया। भारतीय स्टेट बैंक द्वारा कुल 233 समूहों को 1,23,00,000 रूपये, पंजाब नेशनल बैंक द्वारा 82 समूह को 41,00,000 रूपये, उत्तर बिहार ग्रामीण बैंक द्वारा 154 समूह को 77,00,000 रूपये, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के द्वारा 18 समूह को 9,00,000 रूपये तथा बैंक ऑफ इंडिया द्वारा 17 समूह को 8,50,000 का ऋण प्रदान किया गया। कार्यक्रम को अपर समाहर्ता(आपदा) अरूण कुमार, डीआरडीए निदेशक ब्रज किशोर लाल, अग्रणी बैंक प्रबंधक मनीष बोस आदि ने भी संबोधित किया। मौके पर बीएसएस कॉलेज के प्राचार्य डा. संजीव कुमार, शाखा प्रबंधक बीएन झा, सुधीर कुमार, एके मिश्रा, अशोक कुमार, नीरज किशोर प्रसाद सहित जीविका के गुलाम कौसर, धर्मेन्द्र कुमार द्विवेदी, अमित कुमार, नील कमल चौधरी, रंधीर कुमार चौधरी, विधाता सहित प्रखंडों से आए प्रखंड परियोजना प्रबंधक आदि मौजूद थे।

हिन्दुस्तान दिनांकः— 23 जूलाई 2014

बीएसएस कॉलेज में जीविका द्वारा स्वयं सहायता समूहों के वित्तीय समावेशन पर किया गया कार्यक्रम

जिम्मेवारी का निर्वहन कर रहीं महिलाएं

कार्यक्रम

सुपौल | एक संवाददाता

भारत सेवक समाज महाविद्यालय के सभागार भवन में बुधवार को बिहार ग्रामीण जीविकोपार्जन परियोजना (जीविका) द्वारा गठित स्वयं सहायता समूहों के वित्तीय समावेशन पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का उद्घाटन उपविकास आयुक्त हरिहर प्रसाद व अन्य पदाधिकारियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्जवलित कर किया। इस मौके पर उपविकास आयुक्त हरिहर प्रसाद ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करने वाले निर्धनों को स्वरोजगार के माध्यम से सशक्त बनाने के उद्देश्य से बिहार ग्रामीण जीविकोपार्जन की स्थापना की गयी है। इसका संचालन बिहार ग्रामीण जीविकोपार्जन प्रोत्साहन समिति द्वारा किया जाता है। उन्होंने कहा कि जीविका की शुरुआत इस जिले के छातापुर प्रखंड से 2 अक्टूबर 2007 को किया गया था।

इस मौके पर एसबीआई के रिजनल मैनेजर शैलेन्द्र कुमार यादव ने कहा कि जीविका परियोजना द्वारा गठित स्वयं सहायता समूहों की वापसी 95 प्रतिशत से भी अधिक है। इस प्रतिशत के साथ जीविका समूहों ने जो अपनी साख बनाई है उसके आधार पर कोई भी बैंक इन्हें ऋण उपलब्ध करवाने में तत्पर रहेगा। उन्होंने कहा कि यह परियोजना जो गरीबी निवारण के उद्देश्य से बनाई गयी है, के द्वारा पूरे राज्य में एक मौन क्रांति का सूत्रपात कर चुकी है। आज गांव की महिलाएं हस्ताक्षर करना ही नहीं बल्कि वित्तीय लेन-देन के हिसाब किताब का लेखा-जोखा भी आसानी से रख रही है। चहारदिवारी के भीतर रहने वाली ये महिलाएं जीविका से जुड़कर नित्य नयी जिम्मेदारियों का सफलता पूर्वक निर्वहन कर रही है। कार्यक्रम को सम्बोधित करते जीविका के जिला परियोजना प्रबंधक मनीष कुमार ने कहा कि यह परियोजना कोसी के तीनों जिला के सभी प्रखंडों में अपनी गतिविधि प्रारंभ कर चुकी है। उन्होंने कहा कि सुपौल में अब तक 5200 स्वयं सहायता समूह सहित 340 ग्राम संगठन एवं 7 संकुल संघों का गठन किया गया है।

इस मौके पर अपर समाहर्ता आपदा अरूण प्रकाश, डीआरडीए के निर्देशक ब्रज किशोर लाल, एलडीएम मनीष बोस, उत्तर बिहार ग्रामीण बैंक के शाखा प्रबंधक, नीरज किशोर, बीएनझा, सुधीर कुमार, सेंट्रल बैंक के शाखा प्रबंधक अशोक कुमार, एक के मिश्रा, बीएसएस कॉलेज के प्राचार्य डा. संजीव कुमार, डा. राजेन्द्र झा, प्रशिक्षण प्रबंधक गुलाम कौसर, धर्मेन्द्र कुमार द्विवेदी, अमित कुमार, नील कमल चौधरी, रंधीर कुमार चौधरी, प्रेम शंकर, बिंध कुमार झा, राजेश्वर प्रसाद, मुन्ना कुमार आदि थे।

5200 स्वयं सहायता समूहों का हुआ है गठन

- ग्रामीण क्षेत्र के निर्धनों को स्वरोजगार के माध्यम से सशक्त बनाना है इस संस्था का उद्देश्य
- जिले के छातापुर प्रखंड से 2 अक्टूबर 2007 को की गयी थी जीविका की शुरुआत
- चारदीवारी के भीतर रहने वाली महिलाएं जीविका से जुड़कर जिम्मेदारियों का सफलतापूर्वक कर रही हैं निर्वहन

भारत सेवक समाज कॉलेज सभागार में कार्यक्रम में उपस्थित महिलाएं।

• फोटोः हिन्दुस्तान

प्रभात खबर दिनांकः— 23 जूलाई 2014

अब तक 5200 स्वयं सहायता समूहों का गठन

प्रतिनिधि, सुपौल

बिहार ग्रामीण जीविकोपार्जन परियोजना(जीविका) द्वारा गठित स्वयं सहायता समूहों के वित्तीय समावेशन कार्यक्रम 'बढ़ते कदम' का आयोजन बुधवार को बीएसएस कॉलेज के सभागार में किया गया.

कार्यक्रम का उदघाटन उप विकास आयुक्त हरिहर प्रसाद ने दीप प्रज्वलित कर किया. इस मौके पर अपने संबोधन में डीडीसी श्री प्रसाद ने कहा कि बिहार सरकार की यह परियोजना गरीबी निवारण के उद्देश्य से बनायी गयी है. जो पूरे राज्य में एक मौन क्रांति का सूत्रधार बन चुकी है. परियोजना के क्रिया-कलाप के कारण गांव की महिलाएं आज केवल हस्ताक्षर करना ही नहीं बल्कि वित्तीय लेन-देन का लेखा-जोखा भी आसानी से कर रही है. एसबीआइ के क्षेत्रीय प्रबंधक शैलेंद्र कुमार यादव ने कहा कि परियोजना द्वारा गठित स्वयं सहायता समूहों का वापसी 95 प्रतिशत से अधिक है. समूह ने बैंकों में अपनी जो शाख बनायी है, उसके आधार पर कोई भी बैंक इन्हें ऋण देने के लिए तत्पर रहेगा. परियोजना प्रबंधक मनीष कुमार ने कहा कि परियोजना के तहत जिले में अब तक 5200 स्वयं सहायता समूह, 340 ग्राम संगठन एवं 07 संकुल स्तरीय संघों का गठन किया जा चुका है. वहीं मुर्गी पालन के क्षेत्र में असीम संभावना को देखते हुए इस ओर मजबूती से कदम बढ़ाया जा रहा है. कार्यक्रम में अपर समाहर्ता आपदा अरूण प्रकाश, डीआरडीए निदेशक ब्रज किशोर लाल, एलडीएम मनीष बोस, जीविका के प्रशिक्षण प्रबंधक गुलाम कौशर, वित्त प्रबंधक धर्मेंद्र कुमार द्विवेदी, समाजिक विका प्रबंधक अमित कुमार, नील कमल चौधरी, रणधीर कुमार चौधरी, विधाता, सेंट्रल बैंक प्रबंधक एके मिश्रा व अशोक कुमार, यूबीजीबी के बीएन झा एवं सुधीर कुमार समेत अन्य बैंकों के प्रतिनिधि व परियोजना के अधिकारी उपस्थित थे.

कार्यक्रम का उदघाटन करते डीडीसी व अन्य.

मौके पर जुटी स्वयं सहायता समूह की कार्यकर्ता.